

भारत और ब्रिटन के बीच युवा छात्रों एवं पेशेवरों का आदान-प्रदान

प्रलिस के लिये:

युवा पेशेवरों का आदान-प्रदान, हृदि-प्रशांत, मुक्त व्यापार समझौता (FTA)

मेन्स के लिये:

भारत के हतियों पर वकिसति और वकिसशील देशों की नीतियों एवं राजनीतिका प्रभाव ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत और ब्रिटन** ने वर्ष 2023 में 'यंग प्रोफेशनल्स' योजना शुरू करने का नरिणय लया है ।

- ब्रिटन 18-30 वर्ष आयु वर्ग के 3000 डगिरीधारक भारतीयों को दो साल तक काम करने का अवसर प्रदान करेगा ।
- यह योजना वर्ष 2023 के प्रारंभ में शुरू होगी जसिमें ब्रिटिश नागरकों को भी भारत में इसी तरह की सुवधिया प्रदान की जाएगी ।

भारत-ब्रिटन साझेदारी का महत्त्व:

- **ब्रिटन के लिये:** बाज़ार में हसिसेदारी और रकषा कषेत्र दोनों के संदर्भ में हृदि-प्रशांत कषेत्र में **ब्रिटन के लिये भारत एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार है**, जैसा कविवर्ष 2015 में भारत और ब्रिटन के बीच रकषा एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरकषा साझेदारी पर हस्ताकषर द्वारा रेखांकित कया गया था ।
 - भारत के साथ **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** की सफलता ब्रिटन को उसकी 'ग्लोबल ब्रिटन' की महत्त्वाकांक्षा को बढ़ावा देगी क्योंकि यूके **ब्रेकजटि** के बाद से ही यूरोप के बाहर अपने बाज़ारों का वैश्विक वसितार करने का इच्छुक है ।
 - **ब्रिटन एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक अभकिरत्ता के रूप में वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मज़बूत करने के लिये हृदि-प्रशांत कषेत्रों में वकिसति हो रही अर्थव्यवस्थाओं में अवसरों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है ।**
 - भारत से अच्छे द्वपिकषीय संबंधों के साथ वह इस लक्ष्य को बेहतर ढंग से हासलि करने में सकषम होगा ।
- **भारत के लिये:** हृदि प्रशांत में **UK एक कषेत्रीय शक्ति है क्योंकि इसके पास ओमान, सगिापुर, बहरीन, केन्या और हृदि महासागर कषेत्र में नौसैनिक सुवधियाँ हैं ।**
 - यूके (UK) ने भारत में अकषय ऊर्जा के उपयोग का समर्थन करने के लिये ब्रिटिश अंतर्राष्ट्रीय नविश नधि के 70 मलियन अमेरिकी डॉलर की भी पुषटकी है, जसिसे इस कषेत्र में अकषय ऊर्जा बुनयादी ढाँचे के नरिमाण एवं सौर ऊर्जा के वकिस में मदद मलिंगी ।
 - भारत ने मतस्य पालन, फार्मा और कृषि उत्पादों के लिये बाज़ार तक आसान पहुँच के साथ-साथ शर्म-गहन नरियात के लिये शुल्क रधियात की भी मांग की है ।

इन दोनों देशों के बीच वर्तमान प्रमुख द्वपिकषीय मुद्दे:

- **भारतीय आर्थिक अपराधियों का प्रत्यर्पण:**
 - यह मुद्दा भारतीय आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण का है जो वर्तमान में ब्रिटन की शरण में हैं और अपने लाभ के लिये कानूनी प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं ।
 - वजिय माल्या, नीरव मोदी और ऐसे अन्य अपराधियों ने लंबे समय से ब्रिटिश प्रणाली के तहत शरण ले रखी है, जबकि भारत में उनके खिलाफ मामले हैं, जनि के प्रत्यर्पण की आवश्यकता है ।
- **ब्रिटिश और पाकसितान के बीच गहरे संबंध :**
 - उपमहाद्वीप में लंबे समय तक रहे ब्रिटिश राज की वरिसत की बदौलत ब्रिटन जममू और कश्मीर में पाकसितान की भूलों के कारण वभिजन करने में सकषम हुआ ।
 - ब्रिटन में उप-महाद्वीप के एक बड़े मुस्लिम समुदाय की उपस्थिति, विशेष रूप से पाकसितान के कब्जे वाले कश्मीर के मीरपुर जैसे कषेत्रों से वोट बैंक की राजनीतिके जाल के अलावा असंगत को बढ़ाती है ।

■ श्वेत ब्रिटिश द्वारा गैर-स्वीकृतः

◦ श्वेत ब्रिटिश लोगों द्वारा एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय की अस्वीकार्यता एक और मुद्दा है।

- वर्तमान प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने जीडीपी के मामले में ब्रिटन को पीछे छोड़ दिया है और पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।
- ब्रिटिश साम्राज्य की शाही वरिष्ठ के संदर्भ में एक आधुनिक और आत्मवश्विवासी भारतीय तथा एक ब्रिटिश औपनिवेशिक भारतीय के बीच कोई अंतर नहीं है।

आगे की राह

- संस्कृति, इतिहास और भाषा के गहन संबंध पहले से ही ब्रिटन को एक संभावित मज़बूत आधार देते हैं जैसे आधार बनकर भारत के साथ संबंधों को और गहरा किया जा सकता है।
- नई परिस्थितियों के साथ भारत और ब्रिटन को यह स्वीकार करना चाहिये कि दोनों को अपने बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये एक-दूसरे की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष का प्रश्न

प्रश्न. हाल के दिनों में भारत और ब्रिटन में न्यायिक प्रणालियाँ एक-दूसरे से अलग-अलग होती दखि रही हैं। दोनों देशों के बीच उनकी न्यायिक प्रथाओं के संदर्भ में अभिसरण एवं वचिलन के प्रमुख बढिओं पर प्रकाश डालिये। (2020)

स्रोत: द हद्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/young-professionals-exchange-between-india-and-uk>

